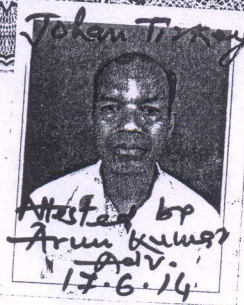


408

402 5000Rs.



जाहिर लिफा
१४-६-१४

... ४२ ४ जोहान एव आडालान...
... ४६ १२०८ की वर...
... ४ अधीन...

मध्य: भारतीय स्टाम्प अधिनियम

शुद्धियन स्टाम्प एक्ट) 1899 की अनुबंध

। का 1 क संख्या १३ I - A With the Permission

जुधियन ब्याबत स्टाम्प) by L.R.D.C. Simdega via

वैतन (या स्टाम्प मूल्य ५०) / 2013-14 order dt-

२५-०३-२०१४

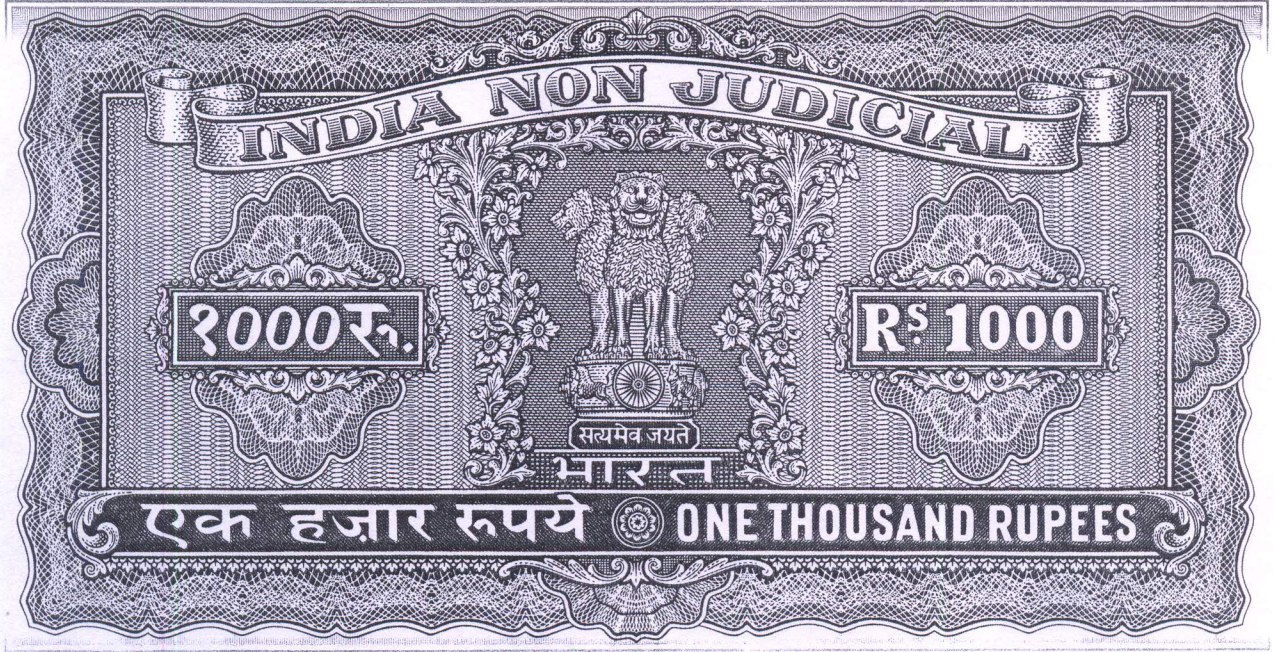
17-6-14
206114

॥१॥ लेख्यकारी:- श्री जोहन तिकी पिता स्व० स्तानिसलास तिकी
जाति- उराँव, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम- छिजरी पुरनापानी,
थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

... .. बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 236 / 2014

५० - गुलान लखड़ा
पति - श्री कलेमेल लखड़ा
ग्राम - कोनोसुफली
थाना - केरल जिला-सिमडेगा
हा. मां - खिजरी पुखुर
थाना - जिला - सिमडेगा
दि. 17.6.014



--2--

॥2॥ लेख्यधारिणी:- श्रीमति उषा मनोरमा होरो पति श्री रोशन होरो, जाति- मुण्डा, पेशा- गृहस्थी, निवास ग्राम- गुल्डा कटहरटोली, थाना- सिम्डेगा, जिला- सिम्डेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शमथ पत्र संख्या:- 237 / 2014

॥3॥ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

॥4॥ मूल्य:- मोबलिंग दो लाख छः हजार रुपये अर्के 2,06,000/- रुपये होता है ।

॥5॥ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- खिजरी पुरनापानी, थाना- सिम्डेगा, थाना नं० 105, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिम्डेगा के खाता नं० 05 पॉच प्लॉट नं० 84 वौरासी रकबा 2.83 एकड़ में से 0.10 एकड़ दस डिसमिल शहरी क्षेत्र के चार भागों में से विक्रय वाली जमीन आवासीय क्षेत्र में पड़ता है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट में छोड़ा गया रास्ता कच्चा 6 फीट का,

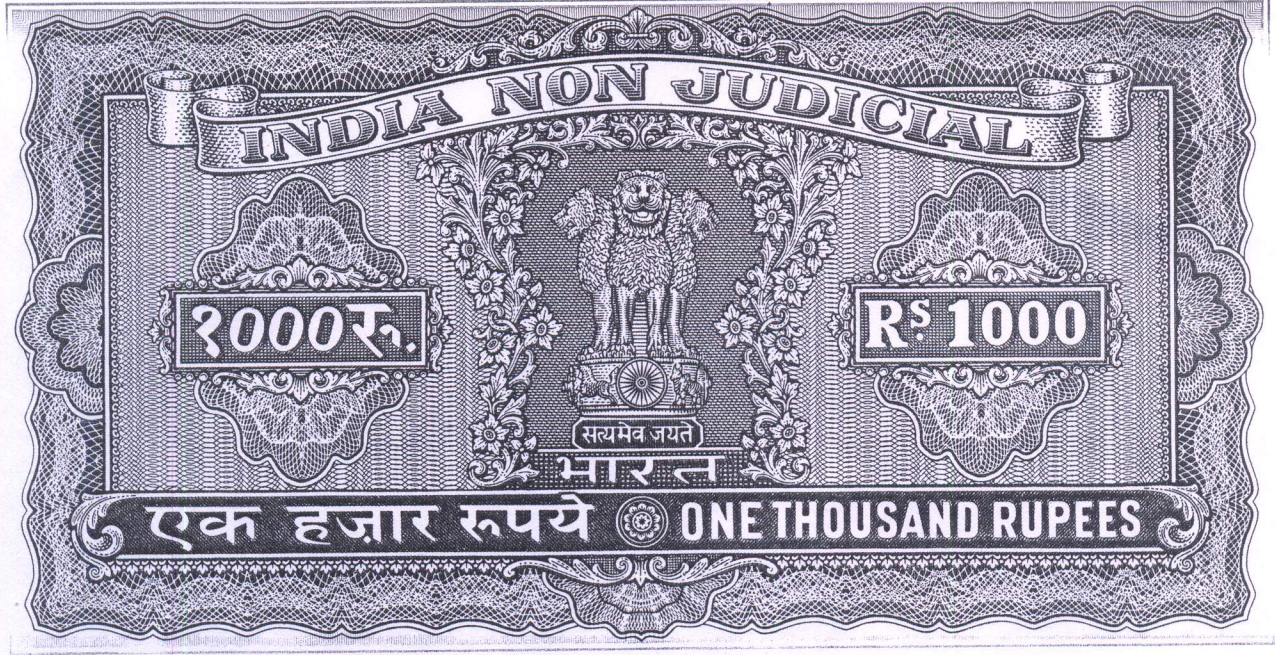
दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश हाल खरीदगी टांड,

पूरब :- इसी प्लॉट में छोड़ा गया रास्ता कच्चा 10 फीट का,

पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश दूसरा भाग टांड ।

मालगुजारी 5 पैसा पॉच पैसा अलावे सेस सलाना ।

जाहिस निकर
१७-६-१४



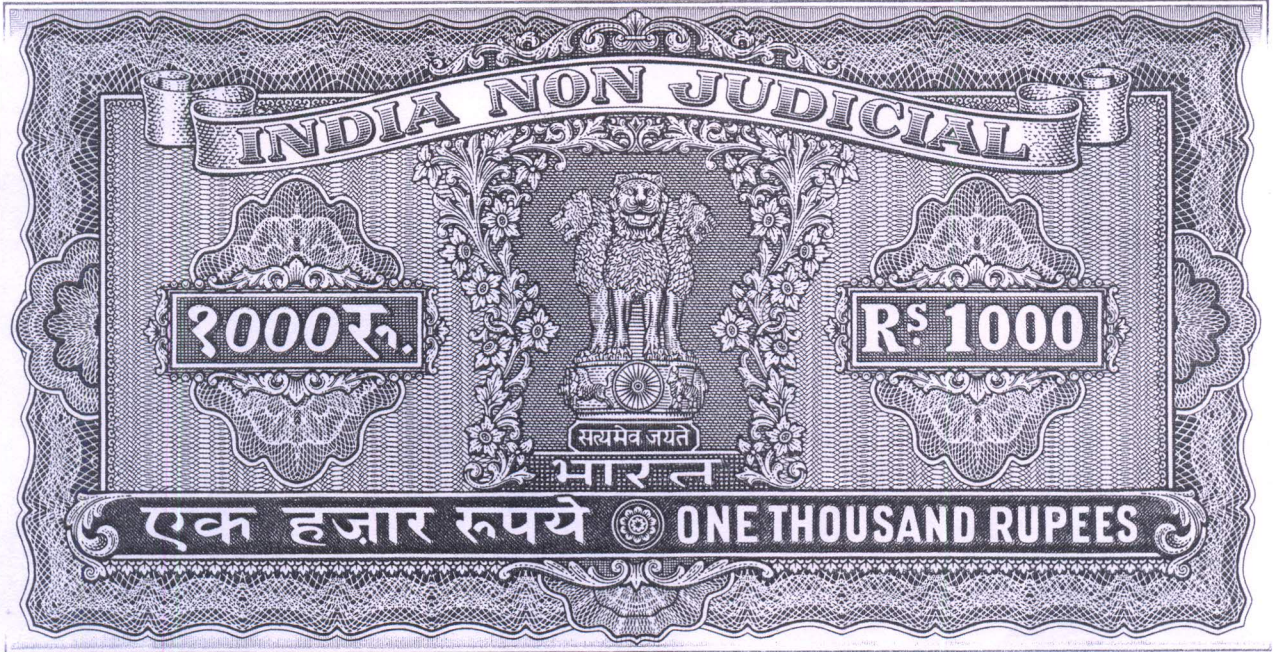
--3--

११॥ चूंकि मुझ लेख्यकारी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रुपये देना स्वीकार किया ।

१२॥ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

१३॥ प्रमाणित किया जाता है कि बिक्री की जानेवाली जमीन मेरी खतियानी जमीन है जिसके खतियानी रैयत मेरे दादा खुदी उराँव वगैरह हैं । सभी खतियानी रैयतों के बीच मौखिक बँटवारा हो गया है एवं बँटवारे के मुताबिक बिक्री की जानेवाली जमीन मेरे दादा खुदी उराँव के हिस्से में मिली । खुदी उराँव की मृत्यु हो चुकी है । खुदी उराँव के तीन लड़के स्तानिसलास तिकी वो पतरस तिकी वो फ्रांसिस तिकी हैं । तीनों के बीच भी जमीनों का मौखिक बँटवारा हो गया है एवं बँटवारे के मुताबिक बिक्री की जानेवाली जमीन मेरे पिताजी

जाह्नव सिवा
१७-६-१४



--4--

स्तानिसलास तिर्की को हिस्से में मिली । मैं अपने पिता का एकमात्र पुत्र हूँ । बिक्री की जानेवाली जमीन की जमाबन्दी मेरे चाचा देवनीस उराँव वगैरह के नाम से चल रही है एवं उन्हीं के नाम से सरकारी मालगुजारी रसीद कट रही है । उक्त जमीन पर किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है । -

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 501/2013-14 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 25.03.2014 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं० 302§.ii§ दिनांक 25.03.2014 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावे वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिये यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्ते जरूरत पर काम आवे ।

उक्त बिक्री की जानेवाली जमीन भू-हदबंदी, कैसरे हिन्द, खास महल, सैरात, लीज, भू-दान, बंदोवस्ती, गैर मजरूआ के तहत नहीं है ।

विक्रय तिर्की
सिद्धि
११-३-१४



--5--

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमोन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

जोहिन सिक्की

१८-६-१४



जोहिन सिक्की

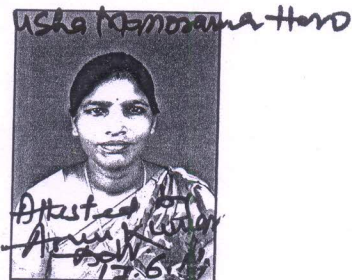
१८-६-१४

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी ने अपने बायें हाथ की पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दिखाया। वही अरुण कुमार, अधिवक्ता ना : 17.6.2014.

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

उषा मनोरमा हीरो

17.6.14



प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी ने अपने बायें हाथ की पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने डी। वही अरुण कुमार, अधिवक्ता ना : 17.6.2014.

100Rs.



--6--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- अरुण कुमार,
अभिप्रेत

प्रारूपकर्ता

तारीख:- 17.6.2014.

जीवन विक्री

१०-६-१४



--7--

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल सात पृष्ठों में कुल 672 शब्द टंकित हैं जो छापडन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
मो० मकसुद
17-6-2014
मो० मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

जाहल विकर
१०-६-१५

384

19

00893/14

321dt+30.05.14



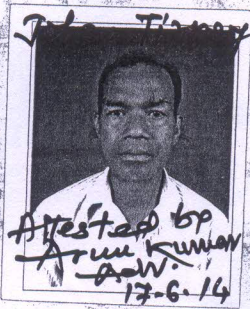
श्रीमती 3वा मन्वमा डोरो
पति... श्री. डोरो... डोरो
जिला सिमडेगा
निवासी... डोरो... डोरो
पते... डोरो... डोरो
कमा... 8250.00

5,000 x 1 = 5,000
1,000 x 3 = 3,000
100 x 2 = 200
50 x 1 = 50

Total = 8250.00

(आठ हजार दो सौ पचास)

11/06/14
जिला न्यायालय
सिमडेगा



जोहन विकी

96-6-78



17-6-14 Total

श्रीमती 3वा मन्वमा डोरो
पति... श्री. डोरो... डोरो
जिला सिमडेगा
निवासी... डोरो... डोरो
पते... डोरो... डोरो
कमा... 8250.00



श्रीमती जोहन विकी
पति... श्री. डोरो... डोरो
जिला सिमडेगा
निवासी... डोरो... डोरो
पते... डोरो... डोरो
कमा... 8250.00

17-6-14